ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:01.10.2024

नैनीताल (उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन : 2024-10-01 (अगले5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	02/10/2024	03/10/2024	04/10/2024	05/10/2024	06/10/2024
वर्षा (मीमी)	0.0	2.0	2.0	1.0	1.0
अधिकतम तापमान(से.)	31.0	32.0	31.0	31.0	30.0
न्यूनतम तापमान(से.)	19.0	19.0	18.0	17.0	16.0
अधिकतम सापेक्षिकआर्द्रता(%)	80	80	75	75	75
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	40	35	35	35
हवा की गति (किमी प्रतिघंटा)	5	4	4	4	4
पवन दिशा (डिग्री)	310	310	140	140	140
क्लाउड कवर (ओक्टा)	3	2	2	1	1

सम सारांश/ चेतावनी:

आगामी सप्ताह में 28 सितंबर से 01 अक्टूबर तक 6-30 मिमी की हल्की से मध्यम वर्षा और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0-23.0oC और 15.0-17.0oC के बीच रहने का अनुमान है। हवा 3-4 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पूर्व-दक्षिण-पूर्व, उत्तर-पूर्व, उत्तर-उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पश्चिम से चलने की उम्मीद है। 27 सितंबर, 2024 को कई स्थानों पर, 28 सितंबर को कुछ स्थानों पर और 29 सितंबर से 3 अक्टूबर तक अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। 27 सितंबर को अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा/गरज के साथ बिजली चमकने/तीव्र से बहुत तीव्र बारिश की संभावना के बारे में पीली चेतावनी दी गई है और 28 सितंबर को अलग-अलग स्थानों पर बिना बारिश के इसी तरह की स्थिति जारी रह सकती है।

सामान्य सलाहकार:

छेत्र में मौसम की स्थिति के बारे में नियमित अपडेट के लिए, किसान "मेघदूत" ऐप से अपडेट प्राप्त कर सकते हैं और गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) पर उपलब्ध दामिनी" ऐप सेबिज ली की स्थिति के बारे में अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। एनडीवीआई राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में 0.30-0.60 के बीच अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 27.09.2024 से 03.10.2024 के दौरान वर्षा में बड़ी अधिकता, तथा सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार हल्की से मध्यम और भारी वर्षा के संबंध में पीली चेतावनी दी गई है, इसलिए कृषि गतिविधियों को तदनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए और उचित जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	प्रजनन अवस्था / परिपक्वता	आम कीट यानी धान फुदका के प्रकोप पर किसानों को ट्रा इफ्लूमेज़ोपायरिम 10 एससी 235 मिली/फिप्रोनिल 5 एससी 1000 मिली/बुप्रोफेज़िन 25 एससी 1 लीटर/ थियामेथोक्जाम 25 डब्लूएसजी 100 ग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से 500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। छिड़काव तने के पास करना चाहिए। कम संक्रमण की स्थिति में बुप्रोफेज़िन, अधिक संक्रमण की स्थिति में ट्रा इफ्लूमेज़ोपायरिम और तना छेदक+ब्राउन प्लांट हॉपर के हमले की स्थिति में फिप्रोनिल 5 एससी का उपयोग करना चाहिए।पकी हुई अगेती किस्मों की कटाई करनी चाहिए। छिड़काव साफ़ मौसम की स्थिति में किया जाना चाहिए।
रागी	प्रजनन अवस्था / परिपक्वता	बाजरा की देर से पकने वाली किस्मों में फसल की निगरानी करते रहें क्योंकि तना छेदक कीट फसल को नुकसान पहुंचाता है। इसकी रोकथाम के लिए फिप्रोनिल 5 एस. सी. 1 लीटर या कॉरटाप हाइड्रो क्लोराइड 50 डब्लू. पी. 600 ग्राम या क्लोरपाइरीफॉस 20 ई. सी. 2. 5 लीटर 500-600 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। सभी कृषि गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए। बाजरे की पकी हुई किस्मों की कटाई कर लेनी चाहिए।
मक्का	वनस्पतिक विकास/ परिपक्वता	कीट का प्रकोप होने पर उचित कृषि उपाय करना चाहिए। झुलसा रोग के लक्षण दिखने (लम्बे तथा अण्डाकार नाव के आकार के पीले से भूरे राण के धब्बे) पर मैंकोजेब या जिनेब 75 डब्लू पी की 1. 5 -2. 0 कि. ग्रा. मात्रा को 750 -800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से डालें। दूसरा छिड़काव प्रथम के 10 -15 दिन बाद करना चाहिए।सभी कृषि गतिविधियाँ साफ़ मौसम की स्थिति में की जानी चाहिए । सभी कृषि गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए। मक्के की अगेती किस्मों की तुड़ाई करनी चाहिए।
मूँग/ काला चना	वनस्पतिक विकास/ परिपक्वता	परिपक्व फसल की कटाई की जानी चाहिए और खरीद/खपत के लिए भंडारण किया जाना चाहिए।
सोयाबीन	फूल/फली बनना	फसल की नियमित निगरानी करें और तना छेदक मक्खी की उपस्थिति में क्लोरान्ट्रानीलीप्रोले 18.5 एससी 150 मि.ली. के दर से 700-800 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें । यह प्रयोग गर्डल बीटल के लिए भी प्रभावी है। छिड़काव साफ़ मौसम की स्थिति में किया जाना चाहिए।
अरहर (लाल चना/अरहर)	फूल/फली बनना	फलियां आने पर खेत सूखा ना रहे इसके लिए हल्की सिंचाई पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए करें। फली बेधक कीट के दिखने पर 5 -6 फेरोमोन प्रपंच/हेक्टर की दर से फसल में फूल आते समय खेत में लगाए। यदि 5 -6 मॉथ प्रति प्रपंच दो-तीन दिन लगातार दिखाई दे तो निम्नलिखित में से एक दवा का प्रयोग करे एन. पी. वी 500 सुंडी तुल्यांक अथवा बी. टी. 1 कि. ग्रा./ हैक्टर की दर से छिड़काव करें। निबोली 5 % + 1 % साबुन का घोल तथा इन्डोक्साकार्ब 14. 5 ई. सी. की 353 -400 मि. ली. या इमामेक्टिन बेन्जोएट 5 एस. जी. की 220 मि. ग्रा. या स्पाइनोसेड 45 एस. सी. की 125-162 मि. ली. मात्रा प्रति हैक्टर। छिड़काव साफ़ मौसम की स्थिति में किया जाना चाहिए।
तोरिया (लाही/घरिया) एवं पीली सरसों (राई)	बुवाई	घाटियों और निचले इलाकों में चावल की कटाई के बाद और मध्यम और ऊंची पहाड़ियों में दालों और बाजरा की कटाई के बाद, तोरिया और पीली सरसों की फसल सितंबर के अंत और अक्टूबर के पहले पखवाड़े के बीच बोई जानी चाहिए। बुआई के समय पंक्ति से पंक्ति की दूरी 45 सेमी तथा मेड़ों से 30 सेमी बनाये रखनी चाहिए । बीजों को मेटालेक्सिल 35 डब्लू.एस.4 ग्राम/किलो बीज के दर से उपचारित करना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	अंकुरित पौधा /परिपक्वता/वानस्पतिक	अगेती किस्मों की तुड़ाई कर उन्हें उपभोग के लिए बाजार में भेजना चाहिए। मध्य किस्मों में यूरिया की टॉप-ड्रेसिंग की जानी चाहिए और निराई, गुड़ाई और सिंचाई जैसी नियमित प्रथाओं की निगरानी की जानी चाहिए।
मूली/ गाजर	बुआई/अंकुरण	खेत में मिट्टी की नमी बनाये रखनी चाहिए तथा फसल की नियमित निराई-गुड़ाई एवं विरलीकरण करते रहना चाहिए।
सेम/बाकला	बुवाई	इस माह में बुआई की जा सकती है। सभी कृषि गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
सिट्रस	फल लगना	यदि सिट्रस में सिट्रस पीला मोज़ेक वायरस के लक्षण दिखाई देते हैं तो संक्रमित टहनियों की छंटाई करें और प्रणालीगत कीटनाशक जैसे इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल 1 मिली/3 लीटर पानी या थियामिथोक्सेम 25% डब्ल्यूजी 1 ग्राम/3 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। कीट की प्रारंभिक उपस्थिति के दौरान थियामिथोक्सेम का पहला छिड़काव करें और कीट की तीव्रता के स्तर के आधार पर 15-21 दिनों के अंतराल पर 2-3 छिड़काव दोहराएं।
सेब/आड़ू /नाशपाती/प्लम	फल लगना	सेब/आड़ू/नाशपाती/बेर में संक्रमित और बीमार पत्तियों को नष्ट कर दें तथा गिरी हुई स्वस्थ पत्तियों को इकट्ठा करके खाद बनाने के लिए गड्ढे में रखा जा सकता है।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	जिन पशुओं में एफ0एम0डी0 (मुखपका खुरपका) रोग के टीके नही लगें है उन पशुओं में तत्काल टीकाकरण करा लें। ताकि आपका पशुधन स्वस्थ रहे और उस से सही उत्पादन प्राप्त हो सके। पशुओं को हरा चारा कम मात्रा में दें तथा हरे चारे में सूखा चारा मिलाकर दें।
बकरी	ग्रामीण छेत्र में भेड़ एवं बकरियों को टिटेनस टॉक्साईड के 2 टिक्के एक माह पर, दूसरा 5 माह पर अवश्य लगवायें, जिससे नवजात मेमनों को टिटनेस नमक बीमारी न हो।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
पोल्ट्री	पोल्ट्री पक्षियों को पशुचिकित्सक की सिफारिश पर कृमिनाशक खुराक दी जानी चाहिए, क्योंकि पोल्ट्री पक्षियों में कृमि अंडे की उत्पादन क्षमता को कम कर देते हैं।